

धान बेचने के लिए अब सोसायटियों में लंबी कतारों की जरूरत नहीं, ‘तुंहर टोकन’ एप से घर बैठे मिलेगा टोकन

रायपुर (विश्व परिवार)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों को धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु सोसायटियों में लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी ‘तुंहर टोकन’ मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन की व्यवस्था की गई है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार एप के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए



टोकन प्राप्त कर सकेंगे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा संचालित ‘तुंहर टोकन’ मोबाइल

एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से किसान 24x7 ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन व्यवस्था से किसानों के समय और श्रम की बचत होने के साथ ही धान खरीदी की प्रक्रिया अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी। धान विक्रय के लिए किसानों की जोत के अनुसार टोकन की संख्या निर्धारित की गई है। दो एकड़ तक के लघु एवं सीमांत किसानों को एक टोकन मिलेगा। दो एकड़ से अधिक और 10 एकड़

तक के किसानों को अधिकतम दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक रकबे वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन प्राप्त करने की सुविधा होगी। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह टोकन में धान की मात्रा दर्ज करने की सुविधा रहेगी। किसान अपनी आवश्यकता और उपलब्धता के अनुसार मात्रा दर्ज कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। यदि किसान किसी टोकन पर अपनी

पूरी मात्रा मात्रा का धान नहीं बेचता है, तो उसकी शेष मात्रा समाप्त नहीं होगी। वह मात्रानुसार शेष मात्रा का धान दूसरे अथवा तीसरे टोकन के माध्यम से बेच सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को धान विक्रय के लिए अधिक सुविधा और विकल्प उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बार-बार सोसायटियों के चक्कर न लगाने पड़ें और वे अपनी सुविधा के अनुसार टोकन प्राप्त कर सुगमता से धान का विक्रय कर सकें।

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार में नंबर 1 बनने की होड़ मची : कांग्रेस

रायपुर। एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा करपशन में बढ़ोतरी के हालिया आकड़े पर सरकार से सवाल पूछते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड चीख-चीखकर गवाही दे रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के आते ही भ्रष्टाचार



बेलगाम हो गया है। सुशासन का ढिंढोरा पीटने वाली साय सरकार के राज में राजस्व, स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग घूसखोरी और वसूली के सारे रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बने अभी तीन साल का वक्त नहीं हुआ है, लेकिन प्रदेश में भ्रष्टाचार और लुटपाट ने पिछली सारी हद्द पार कर दी हैं। एसीबी और ईओडब्ल्यू के आंकड़े इस बात के

गवाह हैं कि इस सरकार ने रिश्ततखोरी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जनता अपने ही कामों के लिए दर-दर भटक रही है और सरकार के संरक्षण में दलाल तंत्र हावी है। यह सरकार सबका साथ, विकास नहीं बल्कि भ्रष्टों का विकास के एजेंडे पर काम कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार के मंत्री और मुख्यमंत्री मंचों से जीरो टॉलरेंस और पारदर्शी व्यवस्था का ढोंग पीट रहे हैं, लेकिन एसीबी, ईओडब्ल्यू के आंकड़े बताते हैं कि थानों से लेकर मंत्रालय तक घूसखोरी के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। जनता का हाथ छोटा-मोटा काम बिना चढ़ावे के संभव नहीं है।

शाश्वत तीर्थ अयोध्या में शरदपूर्णिमा के अवसर पर तीस चौबीसी जिनमंदिर पर कलशारोहण

■ ज्ञानाराधना पूजन हमारी नहीं संयम व तप की पूजा है-गणिनी ज्ञानमती

अयोध्या/जयपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, रायगंज अयोध्या में त्रिदिवसीय शरदपूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर चारित्रचन्द्रिका गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का 93 वाँ जन्मोत्सव एवं 75 वाँ संयम दिवस 26 अक्टूबर को विभिन्न आयोजनों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रातःकाल रायगंज स्थित बड़ी मूर्ति भगवान ऋषभदेव का पंचामृत अभिषेक सम्पन्न किया गया। इस श्रृंखला में परिसर में स्थित तीस चौबीसी जिनालय के शिखर पर कलशारोहण एवं ध्वजारोहण किया गया। मध्य के शिखर पर कुलाधिपति श्री सुरेश जैन-सुरादाबाद, दायीं ओर श्री गजराज जैन-दिल्ली, एवं बायीं ओर श्री गजराज जैन-दिल्ली की ओर से सम्पन्न किया गया। कलशों को बगगी पर लेकर परिसर में भ्रमण करते हुए भक्तजनों ने हर्षोल्लासपूर्वक मंदिर के शिखर पर कलशारोहण एवं ध्वजारोहण सम्पन्न किया।

विजय कुमार जैन मंत्री-अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी ने बताया कि शरदपूर्णिमा महोत्सव की मुख्य सभा की अध्यक्षता कुलाधिपति सुरेशचंद्र जैन, तीर्थकर



महावीर विश्वविद्यालय-सुरादाबाद, मुख्य अतिथि जम्बू प्रसाद जैन-गाजियाबाद राष्ट्रीय अध्यक्ष-तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं समारोह की मुख्य सभा का दीप प्रज्वलन आये हुए अतिथियों के द्वारा सम्पन्न किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न किया गया।

सर्वप्रथम परमपूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के करकमलों से 108 जोड़ों के द्वारा सरस्वती एवं महालक्ष्मी जी की अर्चना पूजा सम्पन्न की गयी जिसमें प्रमुख पात्र अमित पहाड़े हैदराबाद, मोना सज्जन कुमार जैन खार मुम्बई। इसके साथ ही पूज्य माताजी की ज्ञानाराधना भी 75 मंत्रों के द्वारा सम्पन्न की गयी। तदुपरांत पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की

93 वें अर्घ्यों से समन्वित पूजन को सम्पन्न किया गया, जिसे सम्पन्न करने का सौभाग्य श्री नितिन नखाटे-नागपुर, सुभाषिनी जैन, प्रतीक जैन बनारस, अनिल जैन संघपति, दिल्ली एवं विजय जैन-राजपुर रोड, दिल्ली के द्वारा सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि यह पूजन हमारी नहीं संयम और त्याग की है। त्याग से ही व्यक्ति महान बनता है और उसके गुणों की पूजन की जाती है। आज से 74 वर्ष पूर्व मैंने गृहत्याग किया था, उस समय कुंवारी कन्या घर से नहीं निकलती थीं, लेकिन त्याग और वैराग्य के कारण मुझे मेरी माता से संबल प्राप्त हुआ और मैंने इस पथ पर चलना आंगीकार किया। पूज्य माताजी के जन्मोत्सव पर आर्यिका श्री

रत्नमती नारी सम्मान किया गया, जिसमें मुख्यरूप से श्रीमती कुसुमलता जैन-दिल्ली, सौ. अनीता जैन-दिल्ली, सौ. सुषमा जैन-टिकैतनगर, सौ. सुनीता कासलीवाल-संभाजीनगर एवं सौ. अर्चना जैन-डालीगंज, लखनऊ को प्राप्त हुआ। इसी श्रृंखला में जम्बूद्वीप पुरस्कार से श्री गजेन्द्र जैन-फर्रुखनगर हरियाणा को सम्मानित किया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि लाला छोटेलाल जैन स्मृति पुरस्कार डॉ. चन्द्रकांत नेमिनाथ चौगुले-सांगली को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए प्रदान किया गया।

आर्यिका श्री रत्नमती पुरस्कार श्रीमती अनोपबाई पुखराज पाण्ड्या-गोरखपुर को प्रदान किया गया इसी क्रम में संस्थान का सर्वोच्च पुरस्कार गणिनी ज्ञानमती पुरस्कार श्रीमती आरती प्रकाशचंद जैन 'शीशे वाले', प्रयागराज को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

तीर्थकर महावीर विश्वविद्यालय-सुरादाबाद की बालिकाओं द्वारा बहुत सुन्दर भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया गया। संयम दिवस के अवसर पर पूज्य माताजी को संयम का उपकरण पिच्छी प्रदान करने का सौभाग्य श्रीमती अर्चना जयचंद कासलीवाल, भूपण

बाढ़ पीड़ितों को बांटने के बजाय निगम कार्यालय में खाद्य सामग्री सड़ाना बेहद दुर्भाग्य : चौधरी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए प्राप्त खाद्य सामग्री का समय पर वितरण नहीं होने और निगम कार्यालय में रखे-रखे उसके खराब होने के मामले को गंभीर बताते हुए महापौर से जवाब मांगा है। उन्होंने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि जिस खाद्य सामग्री का उपयोग बाढ़ से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों की भूख मिटाने और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए किया जाना था, यदि वही सामग्री समय पर वितरित नहीं होने के कारण

खराब हो रही है, तो यह नगर निगम की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

राजेश चौधरी ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान जगदलपुर और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में अनेक परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कई परिवारों के सामने भोजन की व्यवस्था करना तक चुनौती बन गया था। ऐसे संकट के समय जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना शासन-प्रशासन और श्रमप्रतिनिधियों की प्राथमिक



जिम्मेदारी होती है। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के उद्देश्य से प्राप्त खाद्य सामग्री को समय पर प्रभावित परिवारों तक पहुंचाना आवश्यक था, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें राहत मिल सके। लेकिन यदि यह सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचने के बजाय

वितरण क्यों नहीं किया गया? क्या नगर निगम प्रशासन के पास वितरण की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं थी? यदि सामग्री समय पर वितरित की जा सकती थी, तो इसमें देरी क्यों हुई? और यदि किसी प्रशासनिक लापरवाही के कारण खाद्य सामग्री खराब हुई है, तो इसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? महापौर को इन सवालों का स्पष्ट जवाब देना चाहिए, क्योंकि यह मामला केवल खाद्य सामग्री का नहीं, बल्कि आपदा से प्रभावित गरीब और जरूरतमंद परिवारों के अधिकारों तथा जनता के विश्वास से जुड़ा हुआ है।*

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राहत सामग्री के उद्देश्य केवल उसे एकत्रित करना या निगम कार्यालय में सुरक्षित रख देना नहीं होता, बल्कि वास्तविक जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचाना होता है। आपदा के दौरान प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। जिस परिवार के घर में भोजन की व्यवस्था नहीं है, उसके लिए राहत सामग्री का समय पर मिलना बेहद जरूरी है। ऐसे में खाद्य सामग्री का उचित उपयोग नहीं होना और उसके खराब होने की स्थिति सामने आना अत्यंत चिंताजनक है।

200 यूनिट बिजली छूट का फैसला केवल कागजी जनता को कोई लाभ नहीं : कांग्रेस

रायपुर। साय सरकार के मंत्रिमंडल द्वारा 200 यूनिट बिजली छूट को जारी रखने का फैसला केवल कागजी है, इस फैसले से जनता को कोई लाभ नहीं मिलने वाला। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 200 यूनिट की छूट तभी तक प्रभावी है जब खपत 200 तक सीमित रहे, यदि खपत 201 यूनिट होती है तो छूट शून्य हो जाती है। साय सरकार ने जो स्मार्ट मीटर लगाया है उसके कारण हर उपभोक्ता की खपत 200 यूनिट के ऊपर होती है। अतः मंत्रिमंडल का यह फैसला विद्युत उपभोक्ताओं का मुंह चिढ़ाने वाला है। 400 यूनिट तक छूट को आधी करके 200 यूनिट किया, उसमें भी यह शर्त लगा दिया गया कि खपत 400 यूनिट से अधिक होते ही सारी छूट, राहत, रियायत पूरी तरह खत्म। ऊपर से सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगाकर अधिक वसूली कर रहे हैं। अधिक मुनाफ़ाखोरी के लालच में यह सरकार अनाप-शनाप बिजली बिल वसूलने के लिए नए-नए पैंतरे अपना रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टोकी के नीचे, छोटपारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

एन क्र./36556/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 28-10-2026

इशतिहार
नामांरण प्र.क्र. 36556
बाढ़ का नाम-43-ब्राह्मणपारा बाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बाई 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR758B0209A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AWADH SINGH CHANDEL पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O BALRAM SINGH CHANDEL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती मेसर जीत आर्ट एण्ड पब्लिसिटी द्वारा प्रोपाईटर - जितेन्द्र ताम्रकार पिता/पति, श्री/श्रीमती पिता - श्री चमन ताम्रकार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी (जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगल कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

एन क्र./36647/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 28-10-2026

इशतिहार
नामांरण प्र.क्र. 36647
बाढ़ का नाम-25- संत रामदास बाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बाई 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR819B00212 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUNDER LAL SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती RAM GOPAL SINGH श्री/श्रीमती RAM GOPAL SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती सुनीता बाई साहू पिता/पति, श्री/श्रीमती श्री सुंदर लाल साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
डॉ. तुषित पाणिग्रही (जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email ID- ecogchzone1@gmail.com

आम-सूचना
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा पं.दीनदयाल उपाध्यक्ष नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एल.आई.जी योजना के अंतर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक एल.आई.जी-11/36 सेक्टर 04 में श्री राकेश शर्मा पिता बृज बिहारी शर्मा को भाड़ाकर / रविवर्तीय आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दिनांक 16.09.2014 को विक्रय निष्पादित कराया गया और इस कार्यालय के पत्र क्र. 7625 दिनांक 18.09.2015 को विक्रय अनुमती प्राप्त कर सुशी सोम्या सिंह पिता श्री उमेश सिंह को दिनांक 05.11.2015 को विक्रय कर दिया। सिंह नामांतरण के पूर्व ही नवीन क्रेता सुशी सोम्या सिंह पिता श्री उमेश सिंह को मूल दिनांक 29.12.2020 को हो जाने के कारण उनकी माता / वारिस श्रीमती अनीता सिंह सिंह पति श्री उमेश सिंह के द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र / सहमित पत्र (1, पिता श्री उमेश सिंह एवं 2, भाई श्री सोम सिंह) व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्रीमती अनीता सिंह पति श्री उमेश सिंह के नाम पर नामांतरण किया जाना सिद्ध है। किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।
सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 1, संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी

E-mail:- rmczonev@gmail.com

रायपुर, दिनांक 27/10/2026

- निविदा आमंत्रण सूचना-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्माकित कार्यों हेतु सीलबंद निविदायें एस.ओआर / नॉन एस.ओ. आर / श्रम आयुक्त कार्यालय ई पी एफ कार्यालय एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम में पंजीकृत ठेकेदारों से सीलबंद निविदाये कलेक्टर लाभांश प्रतिशत दर के आधार पर दो लिफ्टप्र पद्धति में स्प्रीड पोस्ट के माध्यम से प्रथम निविदा कार्य क्र. 01 से 05 के लिए दिनांक 17/11/2026 तक स्प्रीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्र. 01 में कार्यालयीन दिवस में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांक 12/11/2026 शाम 4:00 बजे तक आवेदन के साथ निर्धारित राशि जमा करने उपरांत दिनांक 13/11/2026 को निविदा प्रपत्र जारी किया जायेगा। प्राप्त निविदायें दिनांक 18/11/2026 को दोपहर 12.00 बजे तक उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	मद का नाम	अनुमानित व्यय (लाख में)	अमानती राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा प्रपत्र	समयावधि	एस.ओ.आर / अन्य पंजीयन	ठेकेदार श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	बाल गंगाधर तिलक बाई क्रमांक-18 अंतर्गत जनता कालोनी व आस-पास क्षेत्र में पुराने सीवर लाईन को हटाकर नया सीवर लाईन लगाने का कार्य।	संधारण मद	400000.00	4000.00	750.00	A	03 माह	PWD BUILDING SOR 10/06/2026 ROAD SOR 10-06-2026	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
2.	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत वीर शिवाजी बाई क्रमांक-16 विभिन्न क्षेत्रों के रोड में प्लास्टिक स्प्रीट ब्रेकर लगाने का कार्य।	संधारण मद	114000.00	1140.00	300.00	B	02 माह	non SOR	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
3.	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत ठक्कर बापा बाई क्रमांक-17 विभिन्न क्षेत्रों के रोड में प्लास्टिक स्प्रीट ब्रेकर लगाने का कार्य।	संधारण मद	112000.00	1120.00	300.00	B	02 माह	non SOR	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
4.	जोन कार्यालय अंतर्गत बाई क्रमांक-03,04 एवं 05 के सड़क बत्ती विद्युत पोतों की खराब एल. ई. डी. स्ट्रीट लाईटों का संधारण कार्य कराये जाने बाबत	संधारण मद	399000.00	3990.00	750.00	B	03 माह	non SOR	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर
5.	ठक्कर बापा बाई 17 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में रोड नाली पुर्ननिर्माण एवं पेच रिपेयर कार्य।	संधारण मद	400000.00	4000.00	750.00	A	03 माह	PWD BUILDING SOR 10/06/2026 ROAD SOR 10-06-2026	ई-रजिस्ट्रेशन द श्रेणी व उससे ऊपर

1 कार्य से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 01, से प्राप्त की जा सकती है एवं वेबसाइट www.nagarnigamraipur.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

2 डाऊनलोड किये साथ प्रपत्र के निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य की राशि का एफडी.आर., शपथ पत्र का मूल कॉपी एवं ई-जीवित पंजीयन, जो.एस.टी. पंजीयन, जो.एस.टी. रिटर्न (03 माह), आई.टी.आर. (03 वर्ष), बैंक सल्वेंसी, सभी का छायाप्रति संलग्न करना होगा। जो जोन क्र. 01, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से देय होंगे।

3 निविदा में उल्लिखित उपरोक्त विवरण में यदि शासकीय अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्यालयीन दिवस कार्यवाही किया जायेगा।

4 निविदा में विवाद की स्थिति इस कार्यालय का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक 1,
नगर पालिक निगम, रायपुर

मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले को 232 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

24.29 करोड़ रुपये के 63 विकास कार्यों का लोकार्पण और 208.20 करोड़ रुपये के 54 कार्यों का भूमिपूजन

प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं को साकार करना हमारा संकल्प -मुख्यमंत्री साय

प्रेमनगर नगर पंचायत के लिए 2.70 करोड़ रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों की घोषणा

जल संचय जनभागीदारी अभियान में सूरजपुर प्रदेश में प्रथम और देश में चौथे स्थान पर, मुख्यमंत्री ने दी बढ़ाई

जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के 2,212 कार्यों पर खर्च होंगे 130.56 करोड़ रुपये

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)– मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सूरजपुर जिले को 232 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से प्रेमनगर में आयोजित कार्यक्रम में 24 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 63 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 208 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत के 54 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रेमनगर नगर पंचायत में 2 करोड़ 70 लाख रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सरगुजा और बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाओं को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। हमारा संकल्प है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम गाँव तक पहुँचे और प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

मुख्यमंत्री साय ने प्रेमनगर नगर पंचायत में मंगल भवन के पास डोम निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये, इंडोर स्टेडियम के लिए 50 लाख रुपये तथा वाई क्रमांक 10, 11 एवं 12 से विश्रामगुह तक लगभग दो किलोमीटर बीटी सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी गई माँगों के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सूरजपुर जिले के लिए खुशी और गौरव का अवसर है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन जिले की प्रगति को नई गति देगा। इन कार्यों से नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने प्रतिकूल मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुँच पाने पर



क्षेत्रवासियों से खेद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रेमनगर के लोगों से प्रत्यक्ष मुलाकात करने के लिए उत्सुक थे, लेकिन मौसम की बाधा के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। उन्होंने कार्यक्रम की बेहतर तैयारियों के लिए जिला प्रशासन की सराहना की।

जल संचय जनभागीदारी अभियान में सूरजपुर की उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणादायक- मुख्यमंत्री श्री साय ने जल संचय जनभागीदारी अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने पर सूरजपुर जिले के नागरिकों, कलेक्टर और जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस अभियान में सूरजपुर जिला प्रदेश में प्रथम और देश में चौथे स्थान पर है। यह उपलब्धि जनभागीदारी, जागरूकता और प्रशासन के समर्पित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वर्षा चक्र, गिरते भूजल स्तर और पेयजल की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। वर्षा जल का संचयन और पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सूरजपुर जिले ने इस दिशा में जो प्रयास किए हैं, वे अन्य जिलों के लिए भी अनुकरणीय हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण और जल संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दे रही है। सूरजपुर जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित अधोसंरचना विकास के 2,212 कार्यों पर लगभग 130 करोड़ 56 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन कार्यों से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा, भूजल स्तर सुधारने में सहायता मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी हमारी सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

किसानों की समृद्धि और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही है। किसानों को अपनी उपज बेचने में अधिक सुविधा मिले, इसके लिए प्रदेश में 360 नए धान खरीदी केंद्रों को स्वीकृति दी गई है। इससे किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने और खरीदी केंद्रों में अनासुर्यक प्रतीक्षा करने से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को धान की अंतर राशि भी एकमुश्त प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती की समृद्धि के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। हमारी सरकार का प्रयास है कि किसानों के खेतों तक पर्याप्त पानी पहुँचे और वे बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए 10 हजार करोड़

रुपये से अधिक के कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त वर्षों पुरानी लगभग 1,500 सिंचाई योजनाओं की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए 2,800 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से नहरों, बांधों के गेट तथा अन्य सिंचाई संरचनाओं का सुधार होगा और किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

माताओं-बहनों के चेहरे की खुशी हमारी योजनाओं की सार्थकता : मुख्यमंत्री श्री साय मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हमारी सरकार का महत्वपूर्ण संकल्प है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह आर्थिक सहायता पहुँचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास के दौरान जब वे योजना से लाभान्वित माताओं-बहनों से मिलते हैं और उनके चेहरों पर खुशी तथा आत्मविश्वास देखते हैं, तो उन्हें अत्यंत संतोष होता है। महिलाओं के जीवन में आ रहा यह सकारात्मक बदलाव ही हमारी योजनाओं की वास्तविक सार्थकता है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार करते हुए राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री जन्मन योजना के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 32 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं। पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कुमार, बैगा और अबुल्लागुडिया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों को पक्के आवास सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वनांचल के परिवारों की आय बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। तेंदूपता संग्रहण की पाश्चरिमिक दर 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की गई है। इससे प्रदेश के लाखों वनवासी परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राकृतिक और वन संपदा स्थानीय लोगों की आजीविका तथा समृद्धि का मजबूत आधार बने, इसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

बस्तर में शांति, विश्वास और विकास का नया वातावरण- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई में ऐतिहासिक सफलता मिली है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर में शांति, विश्वास और विकास का नया वातावरण बना है। जिन क्षेत्रों में कभी नक्सलवाद के कारण विकास की गति बाधित थी, वहाँ अब सड़क, बिजली, पानी, आवास और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा जैसे वनांचलों में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। राज्य सरकार इन क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता,



सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों को नई पहचान दिलाने के लिए कार्य कर रही है। पर्यटन के विस्तार से स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सुशासन का उद्देश्य नागरिकों को घर बैठे मिले शासकीय सेवाओं का लाभ- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ है कि आम नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें और समस्याएँ दर्ज करा सकते हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है। नागरिक अब मोबाइल के माध्यम से आवेदन कर घर बैठे प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से शासकीय सेवाओं के साथ बैंकिंग सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बैंकों और सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

अंजोर विजन 2047 के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में बढ़ रहे कदम- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध वन संपदा और मेहनतकश लोगों का प्रदेश है। यहाँ विकास की अपार संभावनाएँ हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए अंजोर विजन 2047 तैयार किया है और इसके अनुसूप मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य ऐसा छत्तीसगढ़ बनाना है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के समान अवसर मिलें। उन्होंने प्रदेशवासियों से विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरगुजा संभाग में विकास कार्यों को मिल रही नई गति : कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताप- कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रेमनगर अपने नाम के अनुरूप प्रेम और आत्मीयता से भरे लोगों का क्षेत्र है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित हम सभी यहाँ आकर क्षेत्रवासियों से मिलना चाहते थे, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुँच सके। उन्होंने इसके लिए क्षेत्रवासियों से खेद व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की सराहना की।

कृषि मंत्री श्री नेताप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पूरे प्रदेश, विशेषकर सरगुजा संभाग के सभी विभागात्मक क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिली है।

राज्य सरकार सुनियोजित ढंग से अधोसंरचना निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाने के लिए कार्य कर रही है। वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद स्वीकृत निर्माण कार्यों में और तेजी आएगी तथा आने वाले समय में सूरजपुर सहित पूरे सरगुजा संभाग में विकास के नए कार्य धरातल पर दिखाई देंगे।

उन्होंने कहा कि सूरजपुर जिला प्राकृतिक सुंदरता और संसाधनों से समृद्ध है तथा यहाँ विकास की व्यापक संभावनाएँ हैं। उन्होंने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से प्रत्येक ग्राम पंचायत की आवश्यकताओं के अनुरूप प्राथमिकता तय कर विकास कार्य स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत में एक-दो आवश्यक निर्माण कार्य प्रारंभ कराए जाएँ, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान हो और विकास का लाभ अंतिम गाँव तक पहुँचे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रही राज्य सरकार की योजनाएँ : मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े- महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में विकास और जनकल्याण के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार की योजनाओं से महिलाओं, किसानों, गरीब परिवारों और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों के पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। सड़क, पुल-पुलिया और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से आम नागरिकों का जीवन सुगम बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है। महिलाओं और समाज के सभी वर्गों की आर्थिक मजबूती से ही प्रदेश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने सूरजपुर जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात मिलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास से सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती गोमती साय, श्री भरत सिंह सिसोदिया तथा प्रेमनगर स्थित कार्यक्रम स्थल पर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, विधायक श्रीमती शकुंतला पोते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंदमणि पैकरा , उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सरगुजा आयुक्त श्री नरेंद्र दुगा, आईजी श्री दीपक झा, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भारत के आईटीईसी कार्यक्रम के तहत ईडीआईआई ने 17 देशों के 68 प्रतिभागियों को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया



अहमदाबाद : मंगलवार को 17 देशों के 68 प्रतिभागियों ने एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद में उद्यमिता से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की पहल, भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत किया गया था।

आईटीईसी के तहत आयोजित ये दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुए। इनका मुख्य उद्देश्य उद्यमिता से जुड़े कौशल को मजबूत बनाना, असंगठित क्षेत्र के उद्यमों को बढ़ावा देना, व्यावहारिक और सफल व्यावसायिक योजनाएँ तैयार करना तथा आजीविका के टिकाऊ साधनों को प्रोत्साहित करना था। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को उद्यम विकास के ऐसे व्यावहारिक तरीके सिखाए गए, जिन्हें वे अपने-अपने देशों की आर्थिक परिस्थितियों और संस्थागत व्यवस्थाओं के अनुसार अपना सकते हैं।

असंगठित क्षेत्र के उद्यम, उद्यमिता और स्थानीय आर्थिक विकास पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांग्लादेश, इथियोपिया, घाना, इराक, माली, नामीबिया, नाइजीरिया, श्रीलंका, तंजानिया, युगांडा, वेनेजुएला और जिम्बाब्वे से कुल 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 19 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं।

इस कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने, उपलब्ध संसाधनों और मूल्य श्रृंखलाओं का आकलन करने तथा उत्पादों का मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता में सुधार, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के जरिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने पर ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों ने समुदाय आधारित उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों और कलस्टर आधारित व्यावसायिक मॉडलों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। भारत के स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया, ताकि प्रतिभागी समझ सकें कि उद्यमिता प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तक पहुंच और समुदाय आधारित सहयोग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यमों को किस तरह बढ़ावा दिया जा सकता है।

दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्यमिता विकास और कौशल उन्नयन में बांग्लादेश, इथियोपिया, इराक, लाइबेरिया, माली, मॉरीशस, मोजांबिक, नाइजीरिया, सेशेल्स, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया, युगांडा और जिम्बाब्वे से कुल 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 15 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल थीं।

दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यावसायिक अवसरों की पहचान, बाजार अनुसंधान, व्यवसाय की व्यावहारिकता का आकलन, व्यावसायिक योजना तैयार करना, परियोजना की लागत का आकलन और वित्तीय योजना बनाने जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागियों ने डिजिटल मार्केटिंग, नए ग्राहक जोड़ने, उत्पादों की कीमत तय करने और व्यवसाय की आर्थिक व्यवहार्यता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। व्यावहारिक प्रशिक्षण के तहत विजनेस मॉडल कैनवास तैयार करना, स्टार्टअप उद्यमियों के साथ बातचीत, उद्योगों और उत्पादन इकाइयों का दौरा, निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित अभ्यास तथा उद्यम स्थापित करने और कौशल उन्नयन के लिए व्यक्तिगत कार्ययोजनाएँ तैयार करना शामिल था।

उद्यमिता के विकास के लिए स्थानीय अर्थव्यवस्था में उपलब्ध अवसरों की पहचान करने की क्षमता के साथ-साथ उन अवसरों को सफल व्यवसायों में बदलने के लिए जरूरी कौशल होना भी आवश्यक है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को बाजार का आकलन करने, मूल्य श्रृंखला विकसित करने, व्यावसायिक योजनाएँ बनाने और वित्तीय प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिलती है। इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान उन्हें अपने-अपने देशों की परिस्थितियों के अनुसार उद्यम विकास और आजीविका के टिकाऊ साधन विकसित करने के उपयुक्त तरीके तलाशने में मदद कर सकता है, ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा।

ईडीआईआई वर्ष 2000डू01 से विदेश मंत्रालय के भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है और इसके तहत अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने से संबंधित क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। यह पहल विभिन्न देशों के प्रतिभागियों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देती है और उनके उद्यमिता संबंधी कौशल और क्षमताओं को मजबूत बनाने में मदद करती है।

बस्तर में किसानों के बीच अपनी पहुंच बढ़ा रही बेस्ट एग्रोलाइफ, जगदलपुर में किसान बैठक और उत्पाद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जगदलपुर। बस्तर (छत्तीसगढ़): बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड ने बस्तर किसान कल्याण संघ के सहयोग से छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में किसान बैठक, उत्पाद जागरूकता और उत्पाद लॉन्च कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा, क्योंकि इसके माध्यम से कंपनी ने बस्तर क्षेत्र में किसानों के साथ अपना जुड़ाव और मजबूत किया। यह क्षेत्र लंबे समय से नक्सलवाद से प्रभावित रहा है और यहाँ कृषि क्षेत्र में काम करना कई चुनौतियों से भरा रहा है। ऐसे क्षेत्र में किसानों के साथ सीधे जुड़कर बेस्ट एग्रोलाइफ ने देश के हर हिस्से तक आधुनिक कृषि समाधान और तकनीकी जानकारी पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में 310 से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। किसानों की इस बड़ी भागीदारी से

फसल सुरक्षा और कृषि संबंधी समाधानों के प्रति बढ़ते विश्वास का पता चला। साथ ही, यह भी स्पष्ट हुआ कि कंपनी दूरदराज और कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों के किसानों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कार्यक्रम की शुरुआत श्री दिग्विजय (जेडएसएम) द्वारा स्वागत और कंपनी के परिचय के साथ हुई। उन्होंने बेस्ट एग्रोलाइफ की यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कंपनी के बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो और नई तकनीकों के माध्यम से भारतीय किसानों को बेहतर कृषि समाधान उपलब्ध कराने पर कंपनी के पेंकस को भी रेखांकित किया। इसके बाद श्री हेमंत (बीएच) ने तकनीकी सत्र का संचालन किया। उन्होंने टमाटर और कुकुरुबिट्स यानी बेल वाली सब्जियों की फसलों में फसल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण



जानकारी साझा की। इस दौरान उन्होंने बेस्ट एग्रोलाइफ के उत्पादों के फायदे और उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। किसानों ने भी चर्चा में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इससे किसानों को उपयोगी जानकारी मिली और

कंपनी तथा किसान समुदाय के बीच संवाद को मजबूत करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का एक खास आकर्षण महिला किसानों की भागीदारी रही। बेस्ट एग्रोलाइफ के इतिहास में यह पहली बार था, जब इस

तरह के कार्यक्रम में महिला किसानों ने हिस्सा लिया। उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को खास बनाया और कृषि क्षेत्र के विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के कंपनी के प्रयासों को भी मजबूती दी। किसानों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम के दौरान स्प्रे पंप और कई आकर्षक उपहार भी वितरित किए गए। इसके अलावा, बेस्ट एग्रोलाइफ के डायरेक्टर क्लब डिस्ट्रीब्यूटर लखन जानकी पेस्टिस्टाइड्स ने एक विशेष प्रमोशनल स्क्रीम की घोषणा की। इसके तहत खरीदारी से जुड़े कूपन दिए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 71.50 लाख थी। इस घोषणा से कार्यक्रम में मौजूद किसानों में काफ़ी उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर श्री सुरेंद्र वर्मा (आरएसएम डू छत्तीसगढ़) ने सभी किसानों का विश्वास और सहयोग देने के लिए

आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में कंपनी की टीम और वितरण भागीदारों के सामूहिक प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर कंपनी की टीम ने किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए निरंतर तकनीकी सहायता, बेहतर फसल सुरक्षा समाधान और किसानों के साथ सीधे जुड़ाव को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बस्तर में आयोजित यह सफल कार्यक्रम दशांता है कि बेस्ट एग्रोलाइफ चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी किसानों तक पहुंचने और उन्हें उपयोगी कृषि समाधान उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ की पूरी टीम और अपने वितरण भागीदारों को बधाई दी। कंपनी ने देशभर में किसानों के साथ मजबूत संबंध बनाने और टिकाऊ कृषि विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

शाश्वत तीर्थ अयोध्या में शरद पूर्णिमा के अवसर पर गणनी आर्यिका प्रमुख ज्ञानमती माताजी का 75वां संयम दिवस एवं 93 वा जन्मदिवस उल्लास संपन्न

■ अरिहंत-सिद्ध मंत्र में अनंत शक्ति : गणिनी ज्ञानमती

■ इंद्रधनुष विधान एवं पंचकल्याणक का भव्य आयोजन आगामी माह में प्रस्तावित

अयोध्या (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, रायगंज अयोध्या में त्रिदिवसीय शरदपूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर चारित्रचन्द्रिका गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का 93 वॉ जन्मोत्सव एवं 75 वॉ संयम दिवस 26 अक्टूबर को विभिन्न आयोजनों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रातःकाल रायगंज स्थित बड़ी मूर्ति भगवान ऋषभदेव का पंचामृत अभिषेक सम्पन्न किया गया। इस श्रंखला में परिसर में स्थित तीस चौबीसी जिनालय के शिखर पर कलशारोहण एवं ध्वजारोहण किया गया। मध्य के शिखर पर कुलाधिपति श्री सुरेश जैन- मुरादाबाद, दायीं ओर श्री जिनराज जैन-दिल्ली, एवं बायाँ ओर श्री गजराज जैन-दिल्ली की ओर से सम्पन्न किया गया। कलशों को बग्गी पर लेकर परिसर में भ्रमण करते हुए भक्तजनों ने हर्षोल्लासपूर्वक मंदिर के शिखर पर कलशारोहण एवं ध्वजारोहण सम्पन्न किया।

विजय कुमार जैन मंत्री-अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी ने बताया कि शरदपूर्णिमा महोत्सव की मुख्य सभा की अध्यक्षता कुलाधिपति सुरेशचंद जैन, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय- मुरादाबाद, मुख्य अतिथि जम्बू प्रसाद जैन-गाजियाबाद राष्ट्रीय अध्यक्ष- तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं समारोह की मुख्य सभा का दीप प्रज्ज्वलन आये हुए अतिथियों के द्वारा सम्पन्न किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न किया गया।

सर्वप्रथम परमपूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के



करकमलों से 108 जोड़ों के द्वारा सरस्वती एवं महालक्ष्मी जी की अर्चना पूजा सम्पन्न की गयी जिसमें प्रमुख पात्र अमित पहाड़े हैदराबाद, मीना सज्जन कुमार जैन खार मुम्बई। इसके साथ ही पूज्य माताजी की ज्ञानाराधना तदुपरांत पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की 93 वें अर्थ्यों से समन्वित पूजन को सम्पन्न किया गया, जिसे सम्पन्न करने का सौभाग्य श्री नितिन नखते-नागपुर, सुभाषिनी जैन, प्रतीक जैन बनारस, अनिल जैन संघपति, दिल्ली एवं विजय जैन-राजपुर रोड, दिल्ली के द्वारा सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि यह पूजन हमारी नहीं संयम और त्याग की है। त्याग से ही व्यक्ति महान बनता है और उसके गुणों की पूजन की जाती है। आज से 74 वर्ष पूर्व उन्होंने गृहत्याग किया था, उस समय कुंवारी कन्या घर से नहीं निकलती थीं, लेकिन त्याग और वैराग्य के कारण मुझे मेरी कन्या घर से सबल प्राप्त हुआ और उन्होंने इस पथ पर चलना अंगीकार किया।

93 वर्ष की आयु में भी अपनी सुमधुर वाणी में प्रवचन करते हुए माताजी ने कहा कि अयोध्या शाश्वत



नगरी में सभी कालों में तीर्थंकर भगवानों का अवतरण होता है अतः इस नगरी में जितने भी उच्च धार्मिक कार्य किए जाएं वह सब कम ही है। माताजी ने कहा कि भगवान के नाम जपने में अनंत शक्ति है अरिहंत सिद्ध मंत्र जपने से सभी कार्यों की सिद्धि होती है। उन्होंने कहा कि मांगी तुंगी क्षेत्र में जब प्रतिमा विराजमान करने के लिए वहां के समाज जनों ने निवेदन किया तो स्वास्थ्यगत कारणों से उन्होंने असमर्थताई थी। तब भक्त जिन्होंने प्लान बनाया की माताजी जब विश्राम कर रही हो तब उन्हें हेलीकॉप्टर के उठाकर मांगी तुंगी ले जाएंगे एवं भगवान की प्रतिष्ठा आदि का कार्य संपन्न कर लेंगे। इस बात की जानकारी लगी तो माताजी ने स्वयं अपना मन बनाया और मांगी तुंगी तक की पैदल यात्रा करके वहां पहुंचकर देश की शुरुआत 108 फेटी उतंग भगवान आदिनाथ स्वामी की प्रतिमा को विराजमान कर प्रतिष्ठा का अति भाव कार्यक्रम संपन्न कराया था।

माताजी ने कहा कि इस मांगी तुंगी तक की बिहार में वह मात्र अरिहंत और सिद्ध की जाप करते रहीं और इस जप के प्रताप से मांगी तुंगी में भव्य प्रतिमा निर्माण मस्तका अभिषेक आदि ऐतिहासिक का कार्यक्रम संपन्न हुए।

युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि लाला छोटेलाल जैन स्मृति पुरस्कार डॉ. चन्द्रकांत नेमिनाथ चौगुले- सांगली को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। आर्यिका श्री रत्नमती पुरस्कार श्रीमती अनोपबाई पुखराज पाण्ड्या-गोरखपुर को प्रदान किया गया। इसी क्रम में संस्थान का सर्वोच्च पुरस्कार गणिनी ज्ञानमती पुरस्कार श्रीमती आरती प्रकाशचंद जैन 'शीशे वाले', प्रयागराज को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय- मुरादाबाद की बालिकाओं द्वारा बहुत सुन्दर भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया गया। संयम दिवस के अवसर पर पूज्य माताजी को संयम का उपकरण पिच्छी प्रदान करने का सौभाग्य श्रीमती अर्चना जयचंद कासलीवाल, भूषण कासलीवाल-चांदवड़ को प्राप्त हुआ एवं कमण्डलु भेंट कैलाशचंद आदीश कुमार, अमृत, आगम जैन परिवार- लखनऊ को, शाश्व भेंट जयकुमार- अशोक कुमार जैन -टिकैतनगर को प्रदात किया गया। इस अवसर पर मुख्य पादप्रक्षाल करने का सौभाग्य अशोक जैन चांदवाड़-जयपुर को प्राप्त हुआ।

93 विद्युत दीप का प्रज्ज्वलन अतुल जैन, राकेश जैन, विनोद जैन,



राजकुमार जैन, दिल्ली एवं गणिनी भक्तमण्डल महाराष्ट्र के भक्तों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भरुच से पधारे भट्टारक श्री अरिहंत कीर्ति स्वामीजी के द्वारा समस्त भट्टारक परिषद की ओर से पूज्य माताजी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में माताजी को महायोगिनी की उपाधि देकर विशाल प्रशस्ति भेंट की गयी। कार्यक्रम का झंडारोहण संजय रेखा दीवान सूरत द्वारा किया गया। टिकैतनगर बालिका मण्डल के द्वारा एक भक्ति नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मंगलारचण श्री सुभाषचंद जैन सरीफ लखनऊ ने किया। संचालन डॉ. जीवन प्रकाश जैन एवं विजय कुमार जैन मंत्री अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सभी प्रान्तों से आई महिलाओं को पूज्य माताजी के संयम दिवस के अवसर पर साडी भेंट की गयी। सायं पूज्य माताजी की मंगल आरती 1008 दीपकों से की गयी, भजन गायक रूपेश जैन द्वारा भजनों की सुन्दर प्रस्तुतियां दी गयीं एवं पूज्य माताजी के जन्म समय रात्रि 9.15 पर सभी प्रान्तों से आए हुए भक्तों के द्वारा थाली बजाकर इस अवतरण दिवस को मंगल खुशियों का इजहार किया गया। पूज्य माताजी के इस पावन जन्मदिवस पर माताजी के द्वारा सभी भक्तों को मंगल आशीर्वाद प्रदात हुआ। लगभग 22 प्रान्तों के लोगों ने हजारां की संख्या में पहुंचकर महासाधिका की इस महाजन्मजयंती एवं संयम का महोत्सव

मनाया। महोत्सव के समापन के अवसर पर 27 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे से अभिषेक, भगवान ऋषभदेव जी की बड़ी प्रतिमा जी का महामस्तिकाभिषेक, पूजा आदि कार्यक्रमों के साथ विशेष अतिथि कैलाश सराफ लखनऊ, प्रमोद जैन मोडल टाउन दिल्ली, धर्मेन्द्र जैन सेठी दिल्ली, जवाहर लाल सिकन्दर, पारस चैनल के निदेशक प्रकाश मोदी भटापारा, दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रदीप जैन रायपुर, नरेंद्र जैन गुरुकुपा रायपुर, पारस जैन अहमदाबाद, हसमुख गांधी इन्दौर, अशोक चांदवाड़ जयपुर, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दिलीप जैन जयपुर, कमल कासलीवाल मुम्बई, योगेश लुणया अहमदाबाद, यशवन्त शाह सूरत, सी आर पाटिल अधिष्ठाता मांगीतुंगी, वीर सेवक मंडल, टिकैत नगर के भक्तों, प्रमोद कासलीवाल महाराष्ट्र, पवन जैन चुवारा आदि अतिथियों का स्वागत, अभिनन्दन किया तत्पश्चात श्री जी की भव्य रथयात्रा निकाली गयी, जो कि अयोध्या थाली बजाकर इस अवतरण दिवस को मंगल होते हुए वापस अयोध्या जैन मंदिर पर सम्पन्न हुई। सांय उपस्थित भक्तों ने पूज्य गुरु माँ की महाआरती की गयी , देर रात्रि तक उपस्थित भक्तों ने शाश्वती तीर्थ क्षेत्र पर भक्ति की। पीठाधीश स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी ने सभी को अपने आशीर्वचन प्रदान करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

हावड़ा जेल में गूजी आचार्य श्री वसुनंदी जी गुरुदेव की धर्मवाणी

■ पश्चिम बंगाल के इतिहास में ऐतिहासिक पहल!

कोलकाता-हावड़ा (विश्व परिवार)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता-हावड़ा स्थित जेल में राष्ट्रसंत परम पूज्य दिगम्बर जैन आचार्य भगवान श्री 108 वसुनंदी जी मुनिराज का मंगल प्रवचन आयोजित हुआ। इस दौरान गुरुदेव ने उपस्थित कैदियों को अहिंसा, संयम, सदाचार और आत्मचिंतन का संदेश देते हुए जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रवचन से प्रभावित होकर अनेक बंदियों ने मांगहार एवं मादक पदार्थों का त्याग करने का संकल्प लिया। आयोजन को पश्चिम बंगाल में किसी दिगम्बर जैन संत के कारागृह पहुंचकर प्रवचन देने की पहली घटना बताया गया है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि होना शेष है।

आचार्य श्री को धर्मवाणी ने बंदियों को आत्ममंथन करने तथा



अपने जीवन की गलतियों से सीख लेकर सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रवचन के दौरान कई कैदी भावुक हो उठे। उनके मन में अपने कृत्यों के प्रति पश्चाताप और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की भावना जागृत हुई। आयोजन को करुणा, आत्मपरिवर्तन और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में प्रेरणादायी पहल माना जा रहा है। आचार्य श्री के उपदेशों ने यह संदेश दिया कि अहिंसा, संयम और सदाचार के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। इस कार्यक्रम में संजय काला इस्पात ,अध्यक्ष, नवनीत बजु, आर्यन जैन, अरुण जैन सहित अनेक महानुभाव उपस्थित रहे।

सरगुजा ओलंपिक में 4.16 लाख खिलाड़ियों का पंजीयन, विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न

■ 12 खेलों में दमखम दिखा रहे सरगुजावासी, संभाग स्तरीय आयोजन 15-20 नवम्बर तक प्रस्तावित

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश में दूसरी बार हो रहे सरगुजा ओलंपिक में सरगुजा संभाग के 6 जिलों के कुल 4 लाख 16 हजार 813 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 69 हजार 45 अधिक है। सभी छह जिलों में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न हो चुकी हैं। विकासखंड स्तरीय स्पर्धाओं के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। जिला स्तर के विजेता आगामी नवम्बर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय मुकाबलों में अपने जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव की पहल पर सरगुजा क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक और खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें



खिलाड़ी के रूप में तैयार करने पिछले वर्ष से सरगुजा ओलंपिक का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इसके माध्यम से शासन और जनता के बीच मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने का भी लक्ष्य है। इस सोच को धरातल पर उतारने विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

पंजीयन में महिलाएं आगे, सूरजपुर से सर्वाधिक खिलाड़ी

इस साल के सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 अगस्त से 10 सितम्बर 2026 तक पंजीयन किया गया था। इस दौरान 1 लाख

73 हजार 884 पुरुषों और 2 लाख 42 हजार 929 महिलाओं ने पंजीयन कराया। विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुष खिलाड़ियों से करीब 40 प्रतिशत अधिक है। सरगुजा ओलंपिक में हिस्सेदारी के लिए सूरजपुर जिले से सर्वाधिक 99 हजार 322 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज के 91 हजार 995, सरगुजा के 90 हजार 116, जशपुर के 74 हजार 809, मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 33 हजार 676 और कोरिया के 26 हजार 895 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

विश्व स्ट्रोक दिवस: हर मिनट महत्वपूर्ण है - स्ट्रोक पहचानें, BE-FAST याद रखें और जीवन बचाएँ

■ डॉ. एच. पी. सिन्हा, विलनिकल लीड एवं वरिष्ठ सलाहकार न्यूरोलॉजिस्ट, एमएमआई नारायणा अस्पताल, रायपुर

रायपुर (विश्व परिवार)। स्ट्रोक एक गंभीर चिकित्सकीय आपातस्थिति है, जो बिना किसी चेतावनी के हो सकती है। अचानक हाथ-पैर में कमजोरी, चेहरे का टेढ़ा होना, बोलने में कठिनाई, संतुलन बिगड़ना या दिखाई देने में परेशानी इसके प्रमुख संकेत हैं। समय पर पहचान और उपचार स्थायी विकलांगता तथा मृत्यु के खतरे को कम कर सकते हैं। 29 अक्टूबर को मनाए जाने वाले विश्व स्ट्रोक दिवस का इस बार का संदेश है - हर मिनट महत्वपूर्ण है।

हर मिनट क्यों महत्वपूर्ण है?

स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है



(इस्केमिक स्ट्रोक) या मस्तिष्क में रक्तस्राव होता है (हेमरेजिक स्ट्रोक)। गंभीर इस्केमिक स्ट्रोक में रक्त प्रवाह बहाल न होने पर प्रति मिनट लगभग 19 लाख न्यूरोन्स नष्ट हो सकते हैं। इसलिए कहा जाता है - 'समय ही मस्तिष्क है।'

उपचार में देरी स्थायी मस्तिष्क क्षति का जोखिम बढ़ाती है। आधुनिक उपचार, जैसे थ्रोम्बोलाइसिस और मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी, उपयुक्त

मरीजों में विकलांगता कम कर सकते हैं।

स्ट्रोक पहचानें: BE-FAST याद रखें

B – Balance (संतुलन): अचानक संतुलन बिगड़ना या चलने में कठिनाई। E – Eyes (आँखें): अचानक दृष्टि कम होना, धुंधला या दोहरा दिखाई देना।

F – Face (चेहरा): चेहरे का एक ओर झुकना या मुस्कुराने में असमर्थता। A – Arms (हाथ): शरीर के एक ओर हाथ या पैर में अचानक कमजोरी या सुन्नपन। S – Speech (बोलना): बोली लड़खड़ाना, बोलने या समझने में कठिनाई। T – Time (समय): तुरंत एम्बुलेंस बुलाएँ और स्ट्रोक उपचार की सुविधा वाले अस्पताल पहुँचें।

इनमें से एक भी लक्षण अचानक दिखाई दे तो स्ट्रोक की आशंका हो सकती है।

स्ट्रोक होने पर क्या करें?

1. तत्काल 112 या 108 पर एम्बुलेंस बुलाएँ। 2. लक्षण शुरू होने या मरीज को अंतिम बार सामान्य देखे जाने का समय नोट करें।

3. मरीज को स्ट्रोक उपचार की सुविधा वाले अस्पताल पहुँचाएँ। 4. बिना चिकित्सकीय सलाह भोजन, पानी, एस्पिरिन या अन्य दवाएँ न दें। 5. लक्षण अपने-आप ठीक होने पर भी अस्पताल आएं। यह डॉजिंगेंट इस्केमिक अटैक (TIA)/ मिनी स्ट्रोक हो सकता है।

समय पर उपचार से बच सकती है जिंदगी

उपयुक्त मरीजों में सामान्यतः 4.5 घंटे के भीतर थ्रोम्बोलाइसिस दी जा सकती है। बड़ी धमनी में अवरोध होने पर चर्यनित मरीजों में 24 घंटे तक, मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी लाभकारी हो सकती है। उपचार का निर्णय मस्तिष्क की इमेजिंग और विशेषज्ञ जाँच के आधार पर होता है। कई घंटे बीत जाने पर भी उपचार की संभावना समाप्त नहीं माननी चाहिए।

13 नवंबर को घुघुवा (क) में 'गंवई संगम' का भव्य आयोजन

■ लेजर शो, महाआरती और रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक छाया आकर्षण का केंद्र रहेंगे

पाटन (विश्व परिवार)। जनपद पंचायत पाटन के अंतर्गत ग्राम घुघुवा(क) में आगामी 13 नवंबर 2026 को 'गंवई संगम - लोक कला अउ परंपरा के तिहार' का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक जनपद पंचायत पाटन के सभापति श्री प्रणव शर्मा ने जानकारी दिया कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी लाभकारी हो सकती है। उपचार का निर्णय मस्तिष्क की इमेजिंग और विशेषज्ञ जाँच के आधार पर होता है। कई घंटे बीत जाने पर भी उपचार की संभावना समाप्त नहीं माननी चाहिए।



घुघुवा(क) के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन में नौका विहार, लेजर शो, महाआरती, सुवा एवं पंथी नृत्य सहित रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत को समर्पित इस आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अनेक आकर्षक प्रस्तुतियाँ देखने को मिलेंगी। कार्यक्रम का आयोजन सनातन जागरण समिति, यंग स्टार बॉयज क्लब एवं समस्त ग्रामवासी,

बस्तर दशहरा का समापन राजमहल परिसर में हर्ष फायरिंग और कलश यात्रा के साथ माता मावली को दी गई आत्मीय विदा ई

हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ माता मावली की डोली और दंतेश्वरी माई के छत्र को दी विदाई

जगदलपुर/ ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय विशाल धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत समापन मंगलवार को माता मावली की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र की ससम्मान विदाई के साथ हुआ। जगदलपुर के राजमहल परिसर स्थित ऐतिहासिक मां दंतेश्वरी मंदिर में परंपरागत विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की गई। इसके उपरांत पुलिस के जवानों ने हर्ष फायरिंग कर माता को गरिमायुी सलामी दी। विदाई के इस पावन और भावुक क्षण में सिर पर कलश धारण किए महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ माता को अत्यंत आत्मीय विदाई दी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

माता की इस ऐतिहासिक विदाई यात्रा के लिए दंतेश्वरी मंदिर परिसर और विदाई मार्ग को लगभग डेढ़ किलोमीटर गंदे, गुलाब और बासंती फूलों की सुंदर पंखुड़ियों से सजाया गया था। डोली के प्रस्थान के समय उपस्थित जनसमुदाय और श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच माता पर गुलाब की पंखुड़ियों की



पुष्पवर्षा कर आस्था के साथ विदा किया। इस धार्मिक विधान में बेल और सागौन की लकड़ी से निर्मित करीब 15 साल पुरानी डोली आकर्षण का मुख्य केंद्र रही, जिसमें करीब चार किलो चांदी, दोनों ओर चांदी की प्रतिमाएं और 45 चांदी के गुब्बे जड़े हुए हैं।

परंपरा अनुसार बस्तर राजपरिवार के सदस्य श्री कमलचंद्र भंजदेव और श्रद्धालुओं ने माता की करीब 20 किलो वजनी डोली को कंधों पर उठाकर

जिया डेरा तक पहुंचाया, जिसके बाद डोली और छत्र को दंतेवाड़ा के लिए विदा किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर पहुंचे दर्शनार्थियों को 76 किलो बूंदी और लड्डु से तैयार किए गए 5,000 से अधिक पैकेटों में प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही माता को विदाई रस्म के तहत 25 किलो चावल, 11 किलो दाल, घी, मसाले और श्रृंगार सामग्री भेंट स्वरूप अर्पित की गई। इस दौरान अनेक देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुए



उक्त आयोजन के साथ ही बस्तर के इस अनूठे पारंपरिक पर्व का औपचारिक समापन हो गया। इस मौके पर राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा, सांसद बस्तर एवं अध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति श्री महेश कश्यप, उपाध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति श्री बलराम मांझी सहित मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरीन, नाईक-पाईक और अन्य सदस्य समेत कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त श्री

प्रवीण वर्मा तथा जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।
राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा हुए शामिल- माता मावली की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र के इस विदाई के दौरान राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि श्री गणेश शंकर मिश्रा बस्तर जिले में

कलेक्टर के पद पर पदस्थ रहे हैं। इसके साथ ही बस्तर संभाग के आयुक्त पद पर भी पदस्थ रहे। उनके द्वारा बस्तर कलेक्टर के पद पर पदस्थ रहते हुए मावली माता की भव्य विदाई के लिए विशेष पहल किया गया, साथ ही यहां के सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया गया था। माता मावली की विदाई कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करना इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

1 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे उचित मूल्य दुकान संचालक

ई-पॉस मशीनें विभाग को सौंपने का ऐलान, स्थानीय से जिला स्तर तक की समस्याओं के निराकरण की मांग

बस्तर। संभाग के सभी जिले के उचित मूल्य दुकान संचालकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर 1 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। संचालकों का कहना है कि लंबे समय से लंबित स्थानीय एवं जिला स्तरीय समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हड़ताल के दौरान ई-पॉस मशीनें विभाग को सौंपने की भी घोषणा की गई है। संचालकों के इस फैसले से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण व्यवस्था प्रभावित होने



की आशंका है। यदि हड़ताल लंबी चलती है, तो राशन के लिए उचित मूल्य दुकानों पर निर्भर रहने वाले हितग्राहियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

अब मांगों के निराकरण पर टिकी निगाहें-उचित मूल्य दुकान संचालकों ने स्पष्ट किया है कि उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाना आवश्यक है। ऐसे में अब संबंधित

विभाग और जिला प्रशासन के सामने संचालकों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर समाधान निकालने की चुनौती है। अब देखा होगा कि 1 नवंबर से प्रस्तावित हड़ताल से पहले विभाग संचालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण करता है या फिर राशन वितरण व्यवस्था प्रभावित होने के बाद ही कोई पहल की जाएगी।

नारायणपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वर्गीय पिता को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की पटना में की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में भाजयुमो) की जिला इकाई ने जयस्तंभ चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने खड़गे का पुतला दहन कर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष परमानंद 'नानु' नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के दिवंगत पिता को लेकर दिया गया बयान अत्यंत शर्मनाक और अमर्यादित है। दिवंगत पूर्वजों का सम्मान भारतीय सामाजिक परंपराओं का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध की भी एक



मर्यादा होती है और व्यक्तिगत एवं पारिवारिक टिप्पणियां लोकतांत्रिक शिक्षाचार के विपरीत हैं। नाग ने मल्लिकार्जुन खड़गे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और देश से माफ़ी मांगने की मांग की।

प्रदर्शन में ये रहे उपस्थित: भाजपा जिलाध्यक्ष संध्या पवार, बृजमोहन देवांगन, गौतम गोलछा,रमशीला नाग,पंकज जैन, जैकी कश्यप,संगीता जैन, पिकी उसेंडी,प्रशांत ठाकुर, अनुज जोशी,अनुराग पांडे, बिन्देरा पात्र, दीपेन्द्र भायर, हेमंत भुई, उज्जवल सोनी, सनी ठाकुर, निलेश कोड्रे, धर्मेन्द्र कुलदीप, भावेश सेटिया, अमित सेन, युधिष्ठिर मानकर, सौरभ मंडल, महेंद्र गोटा और अनूप कुमेटी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुण्डाधूर महाविद्यालय में भ्रष्टाचार के विरुद्ध दिलाई गई शपथ, ईमानदारी और पारदर्शिता पर दिया जोर

कोंडागांव। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत शासकीय गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के प्रति सतर्क रहने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करने की शपथ दिलाई गई।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम ने कहा कि भ्रष्टाचार समाज, प्रशासन और राष्ट्र के विकास में बड़ी बाधा है। इसे समाप्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आचरण में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जवाबदेही को प्राथमिकता देनी चाहिए।



भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की शुरुआत स्वयं से करनी होगी।कार्यक्रम के संयोजक अर्जुन सिंह नेताम ने संचालन किया। वहीं, शशिभूषण कन्नौजे ने सतर्कता जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम पर पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को

बनाए रखने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर डॉ. पुरोहित कुमार सोरी, शोभा राम यादव, डॉ. अल्का शुक्ला, रूपा सोरी, डॉ. देवाशीष हालदार, विनय देवांगन, नसीर अहमद, डॉ. आकाश वासनीकर,

समसेल पोर्टाई, लोचन सिंह वर्मा एवं हुमन यदु सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता अपनाने तथा ईमानदारी और शासन के मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

5 दिन कराया गया काम और सड़क को अधूरा छोड़ दिया

जगदलपुर। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत अलनार में सीसी सड़क निर्माण पर भारी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां की सरपंच उषा बघेल हैं, मगर नाममात्र की सरपंच हैं। पंचायत का सारा काम उनके पति और ससुर सन्हालते हैं। इन्हीं की देखरेख में गांव में सीसी सड़क का निर्माण मनमाने ढंग से कराया जा रहा है। निर्माण स्थल पर न तो सूचना बोर्ड लगाया गया है और न निर्माण में मानकों का पालन किया जा रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक जब सड़क का निर्माण हो रहा था तब सड़क की मोटाई और चौड़ाई बहुत कम थी, चौड़ाई 3 मीटर से भी कम और मोटाई 3-4 इंच साइड से गहरे खोदकर फ्लाई



सूचना बोर्ड भी मौके पर नहीं लगाया गया है। सड़क की मोटाई घटाने पर ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई और शिकायत भी कर दी। जिसके कारण काम को रोक दिया गया। जांच हुई और काम फिर 4 महीने बाद शुरू हुआ। इस बार मोटाई और चौड़ाई में सुधार तो हुआ पर वयूरिंग एक दिन भी

नहीं की गई। सड़क का काम मुश्किल से 5 दिन कराया गया और सड़क को अधूरा छोड़ दिया गया है। काम एक माह से बंद है और गिट्टी रेत सड़क के बीचों बीच रखी गई है, जिससे मोहल्ले वालों आवागमन में परेशानी हो रही है। ग्रामीण जब सरपंच से पूछते हैं कि

काम दोबारा कब शुरू होगा सरपंच को कब चालू काम होगा, तो वे कल परसें में काम फिर शुरू करने की बात कहकर मामले को लगातार टालती जा रही हैं। आज तक सुपरविजन के लिए इंजीनियर मौके पर नहीं पहुंचा है। कुल मिलाकर यहां घपलेबाजी का बड़ा खेल चल रहा है।

विचारक्रांति अभियान के तहत होगा आयोजन, पांचों विकासखंडों के गायत्री परिजन मिलकर संभालेंगे जिम्मेदारी

कोंडागांव में 24 दिसंबर से सजेगा पांच दिवसीय विराट पुस्तक मेला, 10 समितियों के गठन की तैयारी

कोंडागांव। गायत्री परिवार द्वारा विचारक्रांति अभियान के अंतर्गत कोंडागांव में पांच दिवसीय विराट पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला 24 से 28 दिसंबर तक आयोजित होगा। आयोजन का उद्देश्य लोगों तक जीवनोपयोगी साहित्य पहुंचाना तथा विचारों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश देना है। युग निर्माण योजना, मधुरा के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस पुस्तक मेले की तैयारियों को लेकर चिखलपट्टी आश्रम, कोंडागांव में जिला स्तरीय गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें जिला समन्वय समिति कोंडागांव ने मेले के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों के गठन की प्रक्रिया शुरू की। पुस्तक मेले का आयोजन जिला समन्वय समिति कोंडागांव द्वारा किया जाएगा। इसमें कोंडागांव, बड़ेराजपुर, माकड़ी,



केशकाल और फरसांव विकासखंडों के गायत्री परिजन सहयोग करेंगे।

विभिन्न समितियों को सौंपी गई जिम्मेदारी
आयोजन के सुचारु संचालन के लिए संयोजक समिति में कवल सिंह पांडे, भान सिंह नेताम, रूप सिंह सलाम, सी.आर. मरकाम और रघुनाथ चौधरी को जिम्मेदारी दी गई है। सुरक्षा समिति में अनिल बघेल एवं महाकाल (प्रदीप) शामिल हैं। स्वागत समिति में रामराम मरकाम, धनुराम पटेल, श्रीमती हुमन पटेल और श्रीमती दीपमाला वैष्णव को दायित्व सौंपा गया है। मंच व्यवस्था समिति में भरत सिंह, केजूराम नेताम और श्रीमती अंबिका मरकाम शामिल हैं। वहीं, पूजन व्यवस्था समिति की जिम्मेदारी खेमचंद्र कोरौन और भाव सिंह कश्यप को दी गई है। मीडिया व्यवस्था समिति में राजराम पांडे, योगेंद्र पटेल और राजेश साहू को शामिल किया गया है। पुस्तक स्टोर व्यवस्था समिति में नारायण ठाकुर, शिव सिंह मरकाम, रवि सोना और रामराय मरकाम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजन समिति के अनुसार, पैमेंट काउंटर, भोजन-नाश्ता व्यवस्था तथा डिजिटल बुक एवं पीडब्लूक काउंटर से संबंधित समितियों के सदस्यों की सूची शीघ्र घोषित की जाएगी।

जीवनोपयोगी साहित्य प्राप्त करने का मिलेगा अवसर-
गायत्री परिवार के मुख्य दूस्ती राजेश साहू ने बताया कि विराट पुस्तक मेले के माध्यम से क्षेत्रवासियों को जीवनोपयोगी साहित्य प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सभी गठित समितियों के सदस्यों से अपने दायित्वों का निर्वहन समग्र पर और समर्पण भाव से करने की अपील की, ताकि आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

बेमेतरा में 29 अक्टूबर को लगेगा रोजगार मेला, 500 से अधिक पदों पर होगी भर्ती

बेमेतरा/- जिले के बेरोजगार एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला शासकीय पंडित जवाहर लाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रुसा भवन, बेमेतरा में आयोजित होगा। मेले के माध्यम से विभिन्न पदों पर 500 से अधिक रिक्तियों के लिए भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित इस रोजगार मेले का उद्देश्य इच्छुक अभ्यर्थियों और निजी क्षेत्र के नियोजकों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करना है। रोजगार कार्यालय नियोजकों एवं आवेदकों के बीच एक मंच उपलब्ध कराता है, जिससे योग्य अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर मिल सकें। यह भर्ती केवल निजी क्षेत्र की संस्थाओं में कार्य करने के लिए की जाएगी।

आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचें अभ्यर्थी
रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छातीसह निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा समस्त शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र साथ लेकर उपस्थित होना होगा।सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा आयोजन-रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय पंडित जवाहर लाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुसा भवन, बेमेतरा में पहुंच सकते हैं।

